æÑ£ ρπ ± ρπ ∑ ûaæΩ, § ĝ çæ† –, ∏ρ∑≤∏

Ñª Ï

{ÏÔØ∏ρ † ρ∞ς ûaæΩ ŵª¡ ŵª ĩ ρπ ∑, ∏ρ∑≤∏

ûaæΩ ∂ úæ∂ æπρø æ€ρÑl

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi)

0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, Dr.V.K.Dubey **Horticulture**-Dr. H.G. Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. G.L.Sharma, Dr,Gaurav sharma **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.R.K.Naik ,**SWE**-Er.Dhiraj Khalkho

वर्षः 26, क्रमांकः87 **दिनांक 07.11.2017**

मौसमपूर्वानुमानः(धमतरी जिले के लिए)-

DISTRICT	DATE	Rainfall	Max temp	Min Temp	Cloud	Max RH	Min RH	Wind Speed	Wind Direction
DHAMTARI	08.11.2017	0	32	20	0	80	45	3	E
DHAMTARI	09.11.2017	0	32	18	0	80	45	5	S
DHAMTARI	10.11.2017	0	32	18	0	75	40	5	E
DHAMTARI	11.11.2017	0	31	18	1	75	40	3	N
DHAMTARI	12.11.2017	0	31	18	2	75	35	5	SE

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. रबी फसलों के लिए खेत की तैयारी करें। इस हेतु ट्रेक्टर चालित रोटावेटर अथवा कल्टीवेटर का प्रयोग कर खाली खेतों में उथली जुताई करें। इस हेतु, मूंग, उडद, खेसरी, चना, कुसुम, सूरजमुखी एवं चारे वाली फसलों की बुवाई करें।
2. रबी मौसम में बोयी जाने वाली दलहनी व तिलहनी फसलों कि 15 नवम्बर के आसपास बुआई कर लेने से कीट व्याधियों का प्रकोप न्यूनतम होता है।
3. चने में बीजोपचार अवश्य करें। इसके लिए बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज + राइजोबियम कल्चर 6-10 ग्राम तथा ट्राईकोडर्मा पाउडर 6-10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
4. चने के जिन खेतो में उकठा एंव कॉलर राट बीमारी का प्रकोप प्रति वर्ष होता हैं, वंहा चने के स्थान पर गेंहू, तिवडा कुसुम एवं अलसी की बुवाई करें अर्थात फसल चक्र अपनाये।

फल एवं सब्जी

1. किसान भाई केला के फसल में मिटटी चढ़ने का कार्य करें।
2. पपीता की फसल में हर 15 दिन के अन्तराल में कॉपर आक्सीक्लोराइड का स्प्रे करें।

3. शीतकालीन गोभीवर्गीय सब्जियों जैसे फूलगोभी, पत्तागोभी व गाठगोभी की अगेती किस्मों का चयन कर नर्सरी डालें। टमाटर, भटा, मिर्च एवं शिमला मिर्च लगाने की तैयारी करें व थायरम 1 ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें।

पशुपालन

1. तापमाप में होने वाली गिरावट से होने वाले प्रभाव से बचाव हेतु रात के समय मवेशियों को छतवाले बाड़े में रखे।
2. इस माह् के मध्य तक मवेशियों के लिए बरसीम एवं जई की बुवाई करें।
3. यदि खुरपका, मुंह्पका, लंगड़ी, गलघोटू आदि रोगों का टीकाकरण नहीं करवाया हो तो इस माह् अवश्य अपने मवेशियों को टीका लगवा लें।